एक दिल चार राहें- 22

“हॉट ऑफिस सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि कैसे ऑफिशियल टूर पर मेरे साथ एक लड़की थी. इस समय वो मेरे रूम में थी. मैंने उसे कैसे नंगी करके उसकी चिकनी चूत को चोदा. …”

Story By: **prem guru (premguru2u)**
Posted: **Monday, August 3rd, 2020**
Categories: ऑफिस सेक्स
Online version: एक दिल चार राहें- 22

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक दिल चार राहें- 22

� यह कहानी सुनें

हॉट ऑफिस सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि कैसे ऑफिशियल टूर पर मेरे साथ एक लड़की थी. इस समय वो मेरे रूम में थी. मैंने उसे कैसे नंगी करके उसकी चिकनी चूत को चोदा.

> ओहो … मैं आपके लिए मरी जा रही हूँ और आपको चाय की लगी है ?
> ओह … स..सॉरी …
>
> मैंने फिर से उसे जोर बांहों में भींच लिया और एक चुम्बन उसके होंठों पर लेते हुए उसके होंठों को अपने मुंह में भर लिया।
> नताशा तो गूं … गूं … करती ही रह गई।
> नताशा क … कपड़े निकाल दें क्या ?
> क्या यह भी मुझे ही बताना होगा ? उसने पहले तो तिरछी निगाहों से मेरी ओर देखा और बाद में मुस्कुराने लगी।

अब आगे की हॉट ऑफिस सेक्स स्टोरी :

और फिर मैंने जल्दी से अपनी शर्ट, पैंट और बनियान भी उतार फेंका। इस समय मेरा लंड तो बन्दूक की नली की तरह इतना तना हुआ कि लग रहा था जैसे चड्डी को फाड़कर ही बाहर आ जाएगा नताशा अपलक उसी की ओर देखे जा रही थी।

अपने कपड़े निकालने के बाद मैंने नताशा पहले तो उसके शूज निकाले और फिर उसके

पांवों की कोमल एड़ियों पर अपनी अंगुलियाँ फिराने लगा और बाद में उन्हें चूम लिया। नताशा के पूरे बदन में एक सिहरन सी दौड़ गई और वह मुझे हैरानी भरी नज़रों से मुझे देखने लगी थी।

आपको भी एक बात बताना चाहूँगा जिन लड़कियों की एड़ियां जितनी पतली, चिकनी, मुलायम और गोरी होती हैं वो बहुत सेक्सी भी होती हैं। अब तो आप भी अंदाज़ा लगा सकते हैं उसकी बुर के होंठ भी कितने गुलाबी और सेक्सी होंगे।

अब मैंने उसकी पैंट को टखनों के ऊपर से पकड़ कर निकालने की कोशिश की तो नताशा ने मेरी सहूलियत के लिए अपनी पैंट की बेल्ट खोल दी. और फिर जिप खोलकर अपने नितम्ब ऊपर उठा दिए।

लगता है नताशा को तो मेरे से भी ज्यादा जल्दी थी। अब मैंने उसकी पैंट को खींच कर निकाल दिया।

हे भगवान! सुतवां टांगें, पतली पिंडलियाँ और घुटनों के ऊपर कोमल, मखमली, गुदाज़ जांघें देख कर तो मेरा दिल इतनी जोर से धड़कने लगा कि मुझे लगा यह कहीं धोखा ही ना दे दे।

काले रंग की नेट वाली पैंटी फंसी उसकी बुर का उभरा हुआ भाग देख कर तो मेरा लंड उसे सलामी ही देने लगा था। उसके पपोटों के बीच की दरार में पैंटी इस तरह फंसी थी कि दोनों पपोटे अलग अलग महसूस किए जा सकते थे।

उसकी गोल नाभि के नीचे उभरे हुए से पेडू पर एक छोटा सा जानलेवा काला तिल भी बना था। लगता है भगवान् ने इस मुजसम्मे को फुर्सत में तारशा है।

अब मैं उसके पास आकर बैठ गया और उसके टॉप को पकड़कर निकालने की कोशिश की

सांवला सा हो गया है।

साले उस लंगूर के में इतना दम कहाँ होगा जो इसकी चूत की गर्मी को ठंडा कर पाता। उसकी जगह कोई और प्रेम का पुजारी होता तो अब तक इसकी चूत का हुलिया ही बिगाड़ देता। मेरा मन तो एक बार उसकी चिकनी चूत को तसल्ली से चाटने और चूमने को करने लगा था।

ओहो … अब क्या सोचने लगे ?
बेबी वो … ?
क्या हुआ ?
वो … वो … मेरे पास कंडोम नहीं है.
ओह … गोली मारो कंडोम को … कहते हुए नताशा ने मेरे हाथ को पकड़कर मुझे अपने ऊपर खींच सा लिया।

मैं धड़ाम से उसके ऊपर आ गिरा तो नताशा की मीठी किलकारी ही निकल गई। उसने मेरे होंठों को चूमना शुरू कर दिया। मैं तो अभी ठीक से उसकी चिकनी बुर को देख भी नहीं पाया था कि नताशा ने मेरा लंड अपने हाथों में पकड़ लिया और खींचकर अपनी बुर पर घिसने लगी। एक नर्म मुलायम और गुनगुना सा अहसास मुझे अपने सुपारे पर महसूस होने लगा।

अब देरी की गुन्जाइश बिल्कुल भी नहीं थी। उसकी चूत तो रस बहाकर जैसे दरिया ही बन चुकी थी. तो किसी तेल या क्रीम की जरूरत ही नहीं थी। अब कमान मैंने अपने हाथ में ली और अपने लंड को ठीक उसकी चूत के छेद पर लगा दिया।

मैं कुछ पलों के लिए रुका रहा। नताशा की साँसें बहुत तेज हो गई थी और दिल की धड़कन भी बहुत तेज हो चली थी। मैंने लंड को निशाने पर लगाए हुए एक जोर का धक्का

से हंसने लगी।
हाँ ... पर चलो कोई बात नहीं बंगलुरु का यह कमरा और बेड भी हमारे प्रेम मिलन का गवाह बन ही जाएगा. कहकर मैं भी हंसने लगा।

हम बातें भी करते जा रहे थे और मैं जोर-जोर से धक्के भी लगा रहा था। नताशा की चूत वैसे तो बहुत मुलायम सी थी पर कसी हुयी भी लग रही थी। मुझे लगता है इस बेचारी तो शादी के बाद भी सिर्फ मूतने का ही काम किया है।

नताशा एक कॉम्प्लीमेंट दूं क्या ?
श्योर ?
यार तुम्हारी चूत तो वाकई बहुत ही खूबसूरत और कसी हुई है. ऐसा लगता है जैसे पहली बार किसी लंड के संपर्क में आई है. कहते हुए मैंने उसके कानों की लटकन (लोब) को अपने मुंह में भर लिया।
आह ... नताशा ने एक मीठी आह भरी और अपने नितम्ब उचकाने लगी।

वो इंजिनियर साहब के क्या हाल हैं उनसे बात हुई या नहीं ?
उस साले चूतिये से मैंने यहाँ आने के बाद बात ही नहीं की.
अरे क्यों ?
ओह ... प्रेम ... उसका नाम लेकर अब मेरा मूड खराब मत करो ... प्लीज ...
ओके डिअर !

मुझे लगता है उस लंगूर के साथ इसने कोई रूमानी(रोमांटिक)या यादगार पल मुश्किल से ही बिताये होंगे।

अब मैंने अपने धक्कों की गति और भी ज्याद बढ़ा दी। नताशा तो बस आँखें बंद किए मीठी आहें ही भरती जा रही थी। उसने अपने नितम्ब उचकाने शुरू कर दिए थे और मेरी

पीठ और कमर पर भी हाथ फिराने शुरू कर दिए थे।

अचानक उसने अपने पैर थोड़े ऊपर उठा लिए। अब तो मेरा लंड सीधे उसके गर्भाशय से टकराने लगा था। नताशा ने अपने दोनों हाथ मेरी पीठ पर कस लिए और मुझे लगा उसकी चूत भी अब संकोचन करने लगी है। उसका शरीर कुछ अकड़ने सा लगा है तो मैंने दो-तीन धक्के और जोर से लगा दिए।

आऐईई ईईई … आह … मेरे … प्रेम … आह्ह … उसके साथ ही नताशा ने एक जोर की किलकारी सी मारी और उसके दोनों पैर नीचे आ गिरे। वह जोर-जोर से हांफने सी लगी थी। मुझे लगा उसका ओर्गास्म हो गया है।

मैं थोड़ी देर के लिए रुक गया और धक्के लगाने भी बंद कर दिए। ये पल किसी भी स्त्री के लिए बहुत ही संवेदनशील होते हैं। इन पलों में उसे अपने प्रेमी से यही उम्मीद रहती है कि वह उसे अपनी बांहों में भरे रखे और चूमता जाए। मैंने उसके माथे, होंठों, गालों, कान और गले को चूमना चालू रखा।

नताशा तुम बहुत खूबसूरत हो मेरी जान …
आह … मेरे प्रेम … मैं कब की प्यासी थी तुम्हारे इस प्रेम की। मेरा तो रोम रोम तरंगित होता जा रहा है और पूरा शरीर ही स्पंदन सा करने लगा है।”

मुझे लगा उसका ओर्गास्म हो गया है। उसने लम्बी-लम्बी साँसें लेते हुए अपनी आँखें बंद कर ली थी। मैंने उसे चूमना-चाटना जारी रखा। मैं उसके ऊपर लेटा हुआ धक्के भी लगा रहा था। मुझे लगा उसे मेरे शरीर के पूरे भार से उसे परेशानी हो रही होगी तो मैंने अपनी कोहनियों को बेड पर रखते हुए अपनी छाती को थोड़ा ऊपर उठा लिया।

मेरे ऐसा करने पर नताशा ने अपनी आँखें खोल ली और मेरी आँखों में झांकने लगी जैसे

पूछ रही हो रुक क्यों गए ?
फिर वह मेरे सीने पर हाथ फिराने लगी और फिर पहले तो मेरे बूब्स की घुंडी को पकड़कर मसला और फिर उसे चूमने लगी।

ओह … मैं भी कितना गाउदी हूँ। मुझे अपनी गलती का अहसास हुआ। मैं तो जल्दबाजी में उसके उरोजों को मसलना और चूमना ही भूल गया था।

अब मैंने अपने एक हाथ से उसके एक उरोज को पकड़कर मसलना चालू कर दिया और दूसरे उरोज के कंगूरे को अपने मुंह में भर लिया और चूसने लगा।
नताशा की तो एक किलकारी ही कमरे में गूँज उठी।

अब मैंने बारी बारे दोनों गुदाज़ उरोजों को मसलना और चूसना चालू कर दिया।
नताशा तो फिर से आह … ऊंह करती हुई फिर से अपने नितम्ब हिलाने लगी थी- आह … प्रेम … तुम सच में कामदेव हो … आह … उईइइइइइ !

मेरी हॉट ऑफिस सेक्स स्टोरी में आपको मजा आ रहा है ?
premguru2u@gmail.com

हॉट ऑफिस सेक्स स्टोरी जारी रहेगी.

Other stories you may be interested in

अन्तर्वासना से मिली प्यासी चूत की धमाकेदार चुदाई- 1

ओरल इंडियन सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि कैसे अन्तर्वासना से एक लड़की मेरी दोस्त बनी. उसने मुझे अपने घर बुलाया. मैंने उसकी चूत चाटकर उसे इतना मजा दिया कि … दोस्तो, मेरा नाम राज है, मैं अजमेर का रहने वाला […]

Full Story >>>

एक दिल चार राहें- 21

हिंदी स्टोरी अन्तर्वास्सना में पढ़ें कि मुझे काम से बंगलूरू जाना पड़ा. वहां ऑफिस की एक लड़की पहले ही पहुँच चुकी थी. वो लड़की जब मुझसे मिलने मेरे कमरे में आयी तो … सुहाना अपना प्रोजेक्ट कम्पलीट करवा कर अपने […]

Full Story >>>

एक दिल चार राहें- 20

कॉलेज गर्ल की चुदाई कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने प्रोजेक्ट के बहाने पड़ोस की जवान लड़की को अपने घर बुलाया. उसकी चूत चुदाई के लिए मुझे क्या क्या यत्न करने पड़े ? “उसने मेरी जानकारी के बिना ये फोटो ले […]

Full Story >>>

बिहारन भाभी की चोदम चुदाई- 2

सेक्सी भाभी की देसी चुताई कहानी में पढ़ें कि कैसे मैंने एक बिहारन भाभी को पटाकर अपने रूम में बुलाया था. उसके बाद भाभी को मैंने खूब मजे से चोदा. आप भी मजा लें. दोस्तो, मैं प्रकाश फिर से अपनी […]

Full Story >>>

एक दिल चार राहें -19

कॉलेज गर्ल हॉट ओरल सेक्स स्टोरी में पढ़ें कि कैसे मैंने अपने पड़ोस की एक कमसिन सेक्सी लड़की की पैंटी उतरवा कर उसकी चूत देखी. फिर चूत चाट कर उसे पूरा मजा दिया. मैंने रूम के दरवाजे को बंद कर […]

Full Story >>>